अनुमोदित
2018-19

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

एक वर्षीय स्नातकोत्तर विधि (एलएल.एम.)पाठ्यक्रम

सत्र 2018–19

संकाय – विधि

(नियम, परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम)

नवाचार को देखते हुए पाठ्यक्रम में आंशिक परिवर्तन किये गए है

v.s.

टल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –प्रथमःअनिवार्य

शोध पद्धति एवं विधिक लेखन

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) उत्तीर्णांक–40

इकाई–I शोध पद्धति

1. विधिक शोध का अर्थ, उद्देश्य एवं विस्तार
2. सैद्धांतिक एवं असैद्धांतिक शोध
3. अगनात्मक तथा निगनात्मक शोध
4. शोध के प्रकार
5. शोध समस्या क्या हैं?
6. शोध समस्या चुनाव के स्त्रोत
7. उपलब्ध सामग्री का अध्ययन
8. विधिक सामग्री – नीतियाँ, अधिसूचना, उपविधायन सहित
9. न्यायालयीन निर्णय तथा प्रभावशील प्रतिपादित सिद्धांत
10. विधिक स्त्रोत वैधानिक अथवा न्यायालयीन निर्णय लेख

इकाई–II

1 परिकल्पना – अर्थ, परिभाषा, महत्व, प्रकार

2 पुर्वअनुसंधान

3 साहित्य की समीक्षा

इकाई–III

1 **आंकड़ों के प्रकार – संग्रहण की पद्धतियाँ**

(क) प्रश्नावली
(ख) अवलोकन
(ग) अनुसूची
(घ) साक्षात्कार
(ड) वाद अध्ययन (केस स्टड़ी)

2 निर्दशन तकनीक

3 आंकड़ो का सारणीकरण एवं विश्लेषण

4 संगणक का प्रयोग

5 संदर्भ ग्रंथ सूची – प्रारूप एवं लेखन

इकाई– IV प्रतिवेदन(रिपोर्ट) लेखन

1. अनुसंधान प्रतिवेदन के तंत्र
2. संरचना
3. अवयव
4. प्रकार
5. अभिविन्यास (लेआउट)

इकाई– V विधिक लेखन

1. निर्णय लेखन
2. अभिवचन एवं अभिलेखन
3. याचिका लेखन
4. वाद लेखन
5. लिखित कथन
6. जमानत
7. विक्रयपत्र
8. वसीयत–नामा
9. परिवाद
10. अंर्तवादीय आवेदन
11. मुख्तार नामा

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –द्वितीय:अनिवार्य

तुलनात्मक संवैधानिक विधि एवं शासन प्रणाली

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) उत्तीर्णांक–40

इकाई– I

1. संविधान तथा संविधानवाद
2. संविधानवाद की विभिन्न अवधारणाएँ
3. अधिनायकवाद एवं लोकतंत्र
4. सीमित शासन व्यवस्था की अवधारणा एवं सरकार की शक्ति की परिसीमा
5. वैश्विक पारिदृश्य में साम्यवाद की अवधारणा
6. भारत एवं इंग्लैण्ड में सांविधानिक शासन का क्रमिक ऐतिहासिक विकास
7. अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया एवं भारत के संविधान के आधारभूत सिद्धांतों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई– II

संघवाद–परिचय

1. संघीय शासन की अवधारणा
2. संघ तथा परिसंघ में अंतर
3. संघवाद की आवश्यक शर्तें तथा संघवाद को प्रभावित करने वाले कारक
4. संघीय शासन प्रणाली–अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया तथा भारत
5. संघवाद के नए आयाम–सहकारी संघवाद
6. भारत–केन्द्रीय नियंत्रण बनाम प्रांतीय स्वायत्तता
7. शक्ति प्रथक्करण का सिद्धांत
8. भारतीय संघवाद का बहुआयामी दृष्टिकोण–जम्मूकश्मीर, पंजाब, असम
9. संघवाद की गतिशीलता

इकाई– III

मूल अधिकार

1. मूल अधिकार की अवधारणा
2. न्यायिक पुनर्विलोकन
3. समानता का अधिकार तथा युक्तियुक्त वर्गीकरण (विधि का शासन)
4. धर्म, जाति, लिंग, भाषा के आधार पर भेदभाव निषेधित
5. महिला एवं बालको के अधिकारों का संरक्षण
6. भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
7. जीवन तथा वैयक्तिक स्वतंत्रता का अधिकार एवं इसके नये बदलते आयाम

8. शोषण के विरूद्ध अधिकार
9. धार्मिक तथा भाषायी अल्पसंख्यको की स्वतंत्रता
10. मूल कर्त्तव्य
11. राज्यों के नीति निर्देशक तत्व
12. लोकहित वाद/जनहित वाद

इकाई– IV **शासन व्यवस्था**

1. संसदीय शासन प्रणाली
2. उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय की शक्तियाँ
3. कार्यपालिका
4. राज्य का संविदात्मक और अपकृत्यात्मक दायित्व
5. आपात उपबंध
6. संविधान संशोधन

इकाई– V **केन्द्र राज्य सम्बन्ध एवं महत्वपूर्ण सिद्धात**

(क) विधायी सम्बन्ध
(ख) कार्यपालिक सम्बन्ध
(ग) प्रशासनिक संबंध

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –प्रथम:वैकल्पिक(संवैधानिक विधि)

प्रशासनिक विधि

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) उत्तीर्णांक–40

इकाई– I अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, ऐतिहासिक विकास, स्त्रोत, सांविधानिक विधि से संबंध, द्वैध प्रशासन, विधि का शासन एवम उसकी आधुनिक अवधारणा, शक्ति पृथक्करण का सिद्धांत, प्रशासनिक कार्यो का वर्गीकरण

इकाई– II प्रत्यायोजित विधायन एवम् उसके प्रकार, प्रत्यायोजित विधायन पर नियंत्रण –प्रक्रियात्मक, न्यायिक एवम् संसदीय नियंत्रण, सांविधानिक एवम् सामान्य उपचार, लेख (रिट), नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत

इकाई– III प्रशासनिक विवेकाधिकार एवम् विवेकाधिकार पर न्यायिक नियंत्रण, राज्य के कार्य, राज्य का अपकृत्यात्मक एवम् संविदात्मक दायित्व

इकाई– IV विधिक प्रक्रिया में राज्य का विशेषाधिकार, विबंधन का सिद्धांत, राज्य सुरक्षा एवम् सूचना का अधिकार, लोकपाल, लोकायुक्त, केंद्रीय सतर्कता आयोग एवं जाँच आयोग

इकाई–V प्रशासनिक न्यायाधिकरण :– गुण, दोष, विकास के कारण, न्यायालय एवम् न्यायाधिकरण में अंतर,
लोक निगम – विशेषताएँ, वर्गीकरण एवम् नियंत्रण,

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –प्रथम:वैकल्पिक(संवैधानिक विधि)

प्रशासनिक विधि

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) उत्तीर्णांक–40

इकाई– I अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, ऐतिहासिक विकास, स्त्रोत, सांविधानिक विधि से संबंध, द्वैध प्रशासन, विधि का शासन एवम उसकी आधुनिक अवधारणा, शक्ति पृथक्करण का सिद्धांत, प्रशासनिक कार्यों का वर्गीकरण

इकाई– II प्रत्यायोजित विधायन एवम् उसके प्रकार, प्रत्यायोजित विधायन पर नियंत्रण –प्रक्रियात्मक, न्यायिक एवम् संसदीय नियंत्रण, सांविधानिक एवम् सामान्य उपचार, लेख (रिट), नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत

इकाई– III प्रशासनिक विवेकाधिकार एवम् विवेकाधिकार पर न्यायिक नियंत्रण, राज्य के कार्य, राज्य का अपकृत्यात्मक एवम् संविदात्मक दायित्व

इकाई– IV विधिक प्रक्रिया में राज्य का विशेषाधिकार, विबंधन का सिद्धांत, राज्य सुरक्षा एवम् सूचना का अधिकार, लोकपाल, लोकायुक्त, केंद्रीय सतर्कता आयोग एवं जाँच आयोग

इकाई–V प्रशासनिक न्यायाधिकरण :– गुण, दोष, विकास के कारण, न्यायालय एवम् न्यायाधिकरण में अंतर,
लोक निगम – विशेषताएँ, वर्गीकरण एवम् नियंत्रण,

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –द्वितीय:वैकल्पिक (संवैधानिक विधि)

मानव अधिकार एवं मानवीय विधि

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) उत्तीर्णांक–40

इकाई–I

मानव अधिकार

1. मानव अधिकार और संयुक्त राष्ट्र चार्टर
2. अंतर्राष्ट्रीय विधि में मानवाधिकारों का विकास
3. संयुक्त राष्ट्र संघ और मानवाधिकार
4. मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा

इकाई–II

1. मानव अधिकारों की अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदाएँ
2. अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमय

(क) सिविल एवं राजनैतिक अधिकारों पर अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमय

(ख) आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अभिसमय

(ग) प्रसंविदा के नवाचार (प्रोटोकॉल)

3. क्षेत्रीय उपकरण

(क) मानवीय अधिकारों पर यूरोपीय अभिसमय

(ख) मानव अधिकारों पर अमेरिकन अभिसमय

(ग) .मानव अधिकारों का अफ्रीकन चार्टर

(घ) एशिया एवं मानवाधिकार

इकाई–III

मानवीय विधि

1. प्रस्तावना : प्रकृति, आधारभूत सिद्धांत, ऐतिहासिक विकास 1899 से।
2. युद्ध पीड़ित का संरक्षण – घायल, बीमार, शिपब्रेक्ड और युद्ध बंदी।
3. अन्तर्राष्ट्रीय मानवीय विधि का प्रवर्तन।
4. अन्तर्राष्ट्रीय रेड क्रास समिति की अन्तर्राष्ट्रीय मानवीय विधि के प्रवर्तन में भूमिका।
5. अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार संस्थाएँ : एमनेस्टी इण्टरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच आदि।

इकाई–IV

भारत में मानव अधिकार एवं मूल अधिकार

1. प्राचीन भारतीय विधि में अधिकार एवं दायित्व की अवधारणा
2. भारतीय संविधान में मानव अधिकारों का इतिहास एवं विकास
3. समता का अधिकार
4. वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
5. जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार
6. धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार

इकाई– V

भारत में मानव अधिकार विधि

1. भारत में मानवाधिकारों का प्रवर्तन एवं लागू करने की प्रक्रिया
2. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग
3. राज्य मानव अधिकार आयोग

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –प्रथम:वैकल्पिक (आपराधिक विधि)

अपराध शास्त्र एवं आपराधिक न्याय प्रशासन

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) उत्तीर्णांक–40

इकाई–I (अ) **अपराधशास्त्र की अवधारणा – परिभाषा, क्षेत्र, एवं महत्व**

(ब) **अपराधशास्त्र के विभिन्न संप्रदाय** – पूर्वशास्त्रीय संप्रदाय, शास्त्रीय संप्रदाय, नवशास्त्रीय संप्रदाय, प्रारूपवादी संप्रदाय, समाजवादी संप्रदाय, समाजशास्त्रीय संप्रदाय, मनोविश्लेषणात्मक संप्रदाय, वातावरणीय दृष्टिकोण संप्रदाय एवं अन्य संप्रदाय

इकाई– II (अ) **अपराध के विभिन्न कारण** – व्यक्तिगत एवं शारीरिक कारण, पारिवारिक कारण, सामाजिक कारण, आर्थिक कारण, राजनैतिक कारण एवं अन्य कारण

(ब) **अपराधो का प्रक्रम** – तैयारी एवं प्रयत्न में अंतर एवं तैयारी एवं आशय कब दण्डनीय होता हैं

(स) **सामान्य अपवाद** – शिशु के कार्य, विकृत चित्ता, मद्यत्यता भूल, निजी सुरक्षा एवं अन्य अपवाद

इकाई– III **अपराधों का वर्गीकरण**

(अ) सामान्य अपराध

1.राज्य के विरूद्ध

2 मानव शरीर के .विरूद्ध

3.संपत्ति के विरूद्ध अपराध

(ब) विशिष्ट अपराध

1 श्वेतपोष अपराध

2 बाल अपराध

3 यौन अपराध

4 संगठित अपराध

5 साइबर अपराध

इकाई– IV अभियुक्त के अधिकार एवं सरक्षण

1 अभियुक्त की निर्दोषिता का सिद्धांत
2 दोहरे दण्ड से सुरक्षा का सिद्धांत
3 विचारण के अवसर की स्वतंत्रता का अधिकार
4 वैधानिक कठोरता से रक्षा का अधिकार
5 संविधान के अंतर्गत उपलब्ध अधिकार एवं उपचार (अनुच्छेद 20,21,22)
6 भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत उपलब्ध अधिकार एवं उपचार
7 निःशुल्क विधिक सहायता का अधिकार

इकाई– V आपराधिक न्याय प्रशासन

1 अर्थ एवं उद्देश्य
2 अपराधिक न्याय प्रशासन के प्रमुख अंग
- पुलिस
- न्यायालय
- सुधार संस्थाएँ

★ उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य सुसंगत पाठ्य सामग्री का अध्ययन भी छात्रों द्वारा किया जाना अपेक्षित है।

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर एक वर्षीय एलएल.एम. पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र –द्वितीय:वैकल्पिक(आपराधिक विधि)

उत्पीड़न शास्त्र

3 क्रेडिट

अधिकतम अंक–100 (आंतरिक –30 अंक,बाह्य–70 अंक) उत्तीर्णांक–40

इकाई–I

1. उत्पीड़न शास्त्र – परिभाषा एवं अर्थ
2. उत्पीड़न शास्त्र का उद्देश्य
3. उत्पीड़न की विषयवस्तु
4. उत्पीड़न शास्त्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
5. उत्पीड़न शास्त्र की अन्य देशों में स्थिति
   - (क) यूरोप
   - (ख) अमेरिका
   - (ग) आस्ट्रेलिया
   - (घ) एशिया

इकाई–II

उत्पीड़न शास्त्र के सिद्धांत

1. पीड़ित अवक्षेपण सिद्धांत
2. त्रि–आदर्श सिद्धांत
3. नैत्थिक कार्य–कलापों का सिद्धांत
4. भौतिक सन्निकटता का सिद्धांत
5. दाण्डिक युग्म सिद्धांत
6. अपराध पीड़ितों का वर्गीकरण

इकाई–III

हिंसात्मक अपराधों की पृष्ठभूमि

1. हिंसा की परिभाषा
2. हिंसा और उत्पीड़न में अन्तर
2. हिंसा का वर्गीकरण
3. हिंसात्मक अपराध
   - (क) आर्थिक अपराध
   - (ख) सामाजिक अपराध
   - (ग) शारीरिक अपराध
   - (घ) लैंगिक अपराध

(विभिन्न न्यायालयों द्वारा प्रदान किए गए प्रतिकर संबंधी वादों का अध्ययन)

इकाई–IV

अपराध पीड़ितों का वर्गीकरण

1. अपराध पीड़ितो का वर्गीकरण एवं उनकी समस्याएँ
2. उत्पीड़न के विभिन्न आयाम
3. समाज द्वारा पीड़ित की उपेक्षा या अवहेलना

इकाई–V **अपराधिक न्याय व्यवस्था व पीड़ितों को प्राप्त उपचार**

1. अपराधिक न्याय व्यवस्था का परिचय
2. पीड़ितो को प्राप्त अधिकार
   (क) भारतीय संविधान के अंतर्गत प्राप्त अधिकार
   (ख) दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंर्तगत प्राप्त अधिकार
   (ग) अन्य विधियों के अंतर्गत प्राप्त अधिकार
3. पीड़ितों को प्राप्त उपचार
   (क) पुर्नस्थापना
   (ख) प्रतिकर
   - न्यायालय द्वारा प्रदत्त प्रतिकर
   - राज्य द्वारा प्रदत्त अधिकार
4. पीड़ित परामर्श केन्द्र
5. अपराध पीड़ितो के लिए विशेष आयोजन

★ प्रत्येक छात्र को प्रत्येक विषय में कक्षा प्रस्तुतीकरण, परियोजना कार्य, सेमीनार आदि में भाग लेना आवश्यक होगा।